बुधवार
03 अप्रैल 2024

पृष्ठ 4
दिनभर में आप कितनी चाय पीते हैं?

पृष्ठ 5
दंगल गर्ल फातिमा सना शेख ने बॉलीवुड में पूरे किए 8 साल

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 66
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

दरिद्रों में दरिद्र वो है जो अतिथि का सत्कार न करे।
– तिरुवल्लुवर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

भटवाड़ी में रोड शो में उमड़ी भीड़

सीएम बोले मोदी को फिर पीएम बनाना है

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी/हरिद्वार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रुद्रपुर रैली के साथ ही भाजपा ने अब धुआंधार चुनाव प्रचार अभियान शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज जहां उत्तरकाशी के भटवाड़ी में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में रोड शो व जनसभा की वहीं दोपहर बाद वह उत्तरकाशी से सीधे हरिद्वार के लक्सर पहुंचे और यहां एक जनसभा को संबोधित किया। उधर डोईवाला क्षेत्र में आज संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने

जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों से तीसरी बार केंद्र में मोदी के नेतृत्व वाली सरकार बनवाने की अपील की।

भटवाड़ी पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज यहां एक रोड शो किया जिसमें बड़ी संख्या में भीड़ देखी गई। रोड शो के बाद उन्होंने यहां एक जनसभा को भी संबोधित किया। सीएम धामी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में डबल इंजन सरकार द्वारा उत्तराखंड में जितना विकास हुआ है उतना विकास बीते 60 साल में भी नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और भाजपा ने जनता से जो भी वायदे और संकल्प लिए थे वह सभी पूरे किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि यहां से मां गंगा का उद्गम होता है जो पूरे देश को जल देती है। अब इस गंगा की धरती से एक समान अधिकारों की गंगोत्री भी बहने वाली है जो पूरे देश के लोगों को समान अधिकार देगी। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए ही नहीं उत्तराखंड के सभी नागरिकों के लिए गर्व की बात है कि उनकी धरती से जिस कॉमन सिविल कोड को लाया गया है उसे पूरे देश में लागू किया जाएगा तथा उत्तराखंड समान नागरिक संहिता कानून लाने वाला देश का पहला प्रदेश होगा। उन्होंने कहा कि हम एक सशक्त नकल विरोधी कानून भी लाए हैं जो युवाओं के हितों की रक्षा करेगा।

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

हरिद्वार में कांग्रेस को बड़ा झटका

हरीश के करीबी दर्जन भर कांग्रेसी भाजपा में शामिल

विशेष संवाददाता

हरिद्वार। भले ही हरिद्वार की संसदीय सीट से पूर्व सीएम हरीश रावत अपने बेटे वीरेंद्र रावत को टिकट दिलवाने में सफल हो गए हो लेकिन अब उनकी यही सफलता कांग्रेस और खुद उनके लिए बड़ी परेशानी का सबब बनती दिख रही है। उनके अत्यंत ही करीबी माने जाने वाले दर्जनों कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ताओं ने आज हरीश रावत व कांग्रेस का साथ छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। चुनाव प्रचार के बीच इसे कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

आज कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने वाले इन नेताओं में पूर्व सीएम हरीश रावत के ओएसडी रह चुके पुरुषोत्तम शर्मा और सेवादल तथा संगठन में कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे राजेश रस्तोगी और मेयर का चुनाव लड़ चुके संजय महंत सहित दर्जन भर

●परिवारवाद को बढ़ावा देने का आरोप

से अधिक नेता और कार्यकर्ता है। जिन्होंने आज हरीश रावत और कांग्रेस का साथ छोड़कर भाजपा का हाथ थामा है। इन सभी कांग्रेसी नेताओं द्वारा हरीश रावत पर परिवारवाद को बढ़ावा देने के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा गया है कि उन्हें सिर्फ अपने बेटे-बेटियों को विधायक और सांसद बनाने की चिंता है उन्हें न तो कांग्रेस के हित-अहित से कुछ लेना-देना है और न उन कांग्रेसी कार्यकर्ताओं से जो कई सालों से उनके साथ

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

तिहाड़ जेल में बंद केजरीवाल का 4.5 किलो वजन हुआ कम !

नई दिल्ली। जेल में बंद अरविंद केजरीवाल का वजन लगातार कम हो रहा है। तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री का वजन 4.5 किलोग्राम कम हो गया है। उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों ने उनके

वजन घटाने पर चिंता जताई है और निगरानी व उचित इलाज की जरूरत बताई है। हालांकि, तिहाड़ जेल के सूत्रों ने इन दावों का खंडन करते हुए कहा है कि केजरीवाल का वजन पहले जितना ही 55 किलोग्राम है।

आप नेता व दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का वजन 4.5 किलोग्राम कम हो गया है, भाजपा उनके स्वास्थ्य को खतरे में डाल रही है। बता दें कि दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार अरविंद केजरीवाल को 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। अदालती आदेश के बाद उन्हें फिलहाल तिहाड़ जेल में रखा गया है।

ताइवान में 7.5 तीव्रता के भूकंप से भारी तबाही, 7 लोगों की मौत

नई दिल्ली। ताइवान की राजधानी ताइपे में बुधवार (3 अप्रैल) सुबह भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.5 मापी गई, जो खतरनाक कैटेगरी में आती है। ताइवान के फायर डिपार्टमेंट के मुताबिक, 7 लोगों की मौत हुई है। 730 से ज्यादा लोग घायल हैं। मरने वालों का आंकड़े बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, भूकंप के झटके इतने ज्यादा तेज थे कि ताइपे के कई हिस्सों की बिजली गुल हो गई है। इसके झटके जापान और फिलीपींस तक महसूस किए गए। भूकंप के झटकों के तुरंत बाद पड़ोसी देश जापान अलर्ट हो गया है और उसने सुनामी की चेतावनी

जारी कर दी। ताइवान में 100 से ज्यादा आफ्टरशॉक आए हैं। वहीं, ताइवानी सेंट्रल वेदर ब्यूरो के मुताबिक, यह ताइवान में 25 साल में आने वाला सबसे तेज तीव्रता वाला भूकंप है। इसके पहले 1999 में 7.6 तीव्रता का भूंकप आया था। तब 2 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। मौसम विभाग के मुताबिक भूकंप ईस्ट ताइवान के हुलिएन शहर में आया। इसका केंद्र धरती से 34 किलोमीटर नीचे था। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 5:30 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। कई इमारतें जमींदोज हो गईं, लैंड स्लाइड भी हुई है। भूकंप के बाद ताइवान, जापान और फिलीपींस ने सुनामी का अलर्ट जारी किया था। जापान के मौसम विभाग ने समुद्र में 3 मीटर यानी करीब 10 फीट तक की लहरें उठने का अनुमान जताया था। हालांकि, जापान और फिलीपींस ने अब सुनामी अलर्ट हटा दिया है।ताइवान प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर के पास स्थित है. इस इलाके में हमेशा ही भूकंप के झटके आते रहते हैं। रिंग ऑफ फायर प्रशांत महासागर के किनारे से शुरू होता है और ये दक्षिण अमेरिका के देश चिली तक फैला हुआ है। इस वजह से इंडोनेशिया से लेकर चिली तक में हमेशा ही जोरदार भूकंप के झटके महसूस किए जाते रहे हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

भ्रष्टाचार पर आई चुनावी जंग

वर्तमान लोकसभा चुनाव में भ्रष्टाचार सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल रुद्रपुर रैली में अपने संबोधन में यह कहकर की एक तरफ भ्रष्टाचार मिटाने वाले हैं और दूसरी तरफ भ्रष्टाचारियों को बचाने वाले हैं। लेकिन वह डरने वाले नहीं है भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी यह जंग जारी रहेगी और उनके तीसरे टर्म में यह जंग और अधिक तेज होगी। भ्रष्टाचार का यह मुद्दा दरअसल इस देश के विपक्षी दलों के नेताओं द्वारा ही चर्चा के केंद्र में लाया गया है। विपक्षी नेताओं द्वारा इलेक्टोरल बांड पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले जिसमें सरकार के इस फैसले को असवैधानिक ठहरा कर रद्द किया गया और स्टेट बैंक को सारी सूचनाओं को सार्वजनिक करने पर मजबूर कर दिया गया से शुरू हुए इस मामले में अब हर रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं। बात उस हद तक जा पहुंची है कि अब इसे देश का सबसे बड़ा वित्तीय घोटाला बताया जा रहा है। यही नहीं कोरोना काल में पीएम द्वारा बनाए गए केयर फंड जिसे आरआईटी और कैग के ऑडिट डायरी से भी बाहर रखा गया, को लेकर भी तमाम सवाल उठाए जा रहे हैं। तथा मामला सुप्रीम कोर्ट तक जा पहुंचा है। इन बड़े भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर विपक्ष हमलावर है ऐसी स्थिति में देश में ईडी और आईडी तथा सीबीआई की कार्यवाही के सहारे सत्ता पक्ष भी भ्रष्टाचार पर प्रहार के जरिए अपने चुनावी अभियान को आगे बढ़ा रहा है। कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग जारी रखने का जो ऐलान किया है उसे सत्ता पक्ष की मंशा का साफ समझा जा सकता है। ऐसा नहीं है कि विपक्ष इस मुद्दे को हल्के में ले रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी अभी अपने एक संबोधन में कांग्रेस के खाते सीज किए जाने की कार्यवाही और विपक्षी नेताओं को ईडी द्वारा जेल में डालने की कार्यवाही पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था कि जिसे जो करना है करने दीजिए अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो सबको जवाब दिया जाएगा। पक्ष और विपक्ष के नेताओं के बीच भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जिस तरह की आक्रमकता दिखाई जा रही है वह यही बताता है कि 2024 के इस चुनाव में जीत चाहे जिसकी भी हो भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बड़ी जंग होने वाली है और अगर इस जंग में न्यायपालिका की भूमिका सशक्त रहती है जैसा कि आज के वर्तमान में देखा जा रहा है तो यह साफ है कि भ्रष्टाचारी चाहे कोई भी हो और कितनी भी सशक्त क्यों न हो उसे जेल जाने के लिए तैयार रहना ही होगा। अगर देश की राजनीति समाज और आम नागरिक के दृष्टिकोण से देखा और समझा जाए तो यह सभी के लिए हितकारी सिद्ध होगा। आजादी के अमृत काल तक देश में भ्रष्टाचारियों ने किस तरह से लूटपाट की है उस पर अब लगाम लगनी ही चाहिए। आज पूरे देश की निगाहें अगर न्यायपालिका के फैसलों पर टिकी रहती है तो इसका कारण भी बहुत साफ है भ्रष्टाचार देश की जनता के लिए सबसे बड़ा अभिशाप बन चुका है। भ्रष्टाचार के कारण ही आज तक देश के गरीब गरीब ही बने हुए हैं और समाज में भारी असंतुलन की स्थितियां पैदा हुई है।

गूगल बिजनेस अधिकारी बन ठगे 8.5 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। गूगल बिजनेस अधिकारी बनकर साढे आठ लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चक जोगीवाला छिददरवाला निवासी पूजा चौहान ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि सबसे पहले वट्सअप द्वारा मैसेज आया गया जिसमें टास्क किये जाने पर धन प्राप्ति हुयी। इन्होने अपने आपको गूगल बिजनेस के अधिकारी बताया। इन्होनें टास्क कम्पलीट करने के लिये छोटी धनराशि देकर उसका विश्वास जीता उसके बाद वट्सअप में टेलीग्राम लिंक देकर अलग-अलग टेलीग्राम ग्रुप्स और चैनल को ज्वाईन करने को कहा गया जिसमें विभिन्न प्रकार के टास्क दिये जाते थे।

शुरूआत में केवल एक व्यक्ति टास्क करता था समय के साथ-साथ चार लोगो का ग्रुप बनाया जाता था जिसमें चार लोग टास्क कम्पलीट करके बडी धनराशि प्राप्त करते थे उसके बाद उसका एक एकाउन्ट बनाया गया जिसकी वैबसाईट इसमें जमा धनराशि को निकालने के लिये उससे और पैसो की मांग करी गयी जो उसने समय-समय पर झूठी बातो के बहकावे में आकर उसने उनके बताये गये एकाउन्ट में धनराशि जमा करती गयी। इस प्रकार उक्त लोगों ने उसके साथ साढे आठ लाख रूपये की ठगी की गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स मामृजे तिरो अण्वानि मेष्यो मीळ्हे सप्तिर्न वाजयु:।
अनुमाद्य: पवमानो मनीषिभि: सोमो विप्रेभिर्ऋक्वभि:॥

(ऋग्वेद ९-१०७-११)

जिस प्रकार एक घोड़ा उत्साह से चलता है उसी प्रकार एक आराधक सूक्ष्म तत्वों को जानने को उत्सुक होता है। वह ज्ञान और ऊर्जा चाहता है। उसे विद्वान संतों से ज्ञान प्राप्त करना चाहिए और फिर अपना ज्ञान दूसरों को बांटना चाहिए।

सिटी बस संगठन ने दिया टिहरी प्रत्याशी को समर्थन

संवाददाता

देहरादून। टिहरी लोकसभा प्रत्याशी को सिटी बस संगठन ने समर्थन देते हुए बसों पर 'मैं हूं मोदी का परिवार' का स्टिकर लगाया।

आज भारतीय जनता पार्टी महानगर कार्यालय एवं टिहरी लोकसभा कार्यालय पर देहरादून सिटी बस संगठन की ओर से समर्थन मिलने पर सभी सिटी बस पर 'मैं हूं मोदी का परिवार' का स्टिकर लगाकर सभी बस चालको को माल्यार्पण कर महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल के नेतृत्व में प्रस्थान किया गया। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री देश के 140 करोड़ जनता को अपना परिवार मानते हैं हमारा कर्तव्य भी है कि हम भी मोदी का परिवार हैं इसको ध्यान में रखते हुए देहरादून सिटी बस संगठन एवं चालकों के द्वारा मोदी को अपना समर्थन देते हुए 'मैं हूं मोदी परिवार' का नारा लगाते हुए आगे बढ़े। बंसल ने बताया कि जहां देश में भारतीय जनता

❑बसों पर लगाये 'मैं हूं मोदी का परिवार' के स्टिकर

पार्टी की सरकार के द्वारा कई योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक नागरिक तक इसकी समृद्धि एवं सशक्त बनाने के लिए जितने भी कार्य किए गए हैं वह सभी कार्य केंद्र सरकार व राज्य सरकार के द्वारा सम्मिलित हैं। इसलिए आज देश का प्रत्येक युवा प्रत्येक व्यक्ति अंतिम पायदान का व्यक्ति तक आज मोदी को अपना परिवार मानते हुए उनका समर्थन कर रहा है।

कार्यक्रम में टिहरी लोकसभा के प्रभारी विनय रोहिल्ला के द्वारा भी सभी बस चालको को माल्यार्पण किया गया और उनको 'मैं हूं मोदी परिवार' की शुभकामनाएं भी दी गई। कार्यक्रम में प्रदेश सह मीडिया मानिक निधि शर्मा, संजीव वर्मा, अजीत चौधरी, महानगर उपाध्यक्ष राजेंद्र ढिल्लों, संतोष सेमवाल, सुनील शर्मा, महानगर महामंत्री सुरेंद्र राणा, विजेंद्र थपलियाल, संकेत नौटियाल, देवेंद्र पाल मोंटी, गोविंद मोहन, मोहित शर्मा, विनोद शर्मा, अशोक वर्मा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

छात्रा की आपत्तिजनक वीडियो वायरल, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। छात्रा की आपत्तिजनक वीडियो बनाकर वायरल करने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूग्राम निवासी युवती ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बीबीए एलएलजी कर रही है। उसकी मुलाकात कुछ समय पहले वासु बेहल से हुई। उसके एवं वासु की कुछ आपत्ति जनक विडियो, वासु ने बिना उसकी जानकारी एवं सहमती के बनाई। कुछ समय के उपरान्त वे उसके शैक्षिक संस्थान में फैल गई। विडियोज के विषय में उसको कोई जानकारी नही थी जब तक की उसको लोगो ने स्वयं आकर नहीं बताया। एक महिला होने के कारण इस घटना से उसको क्षति हुई है। उसके मान- सम्मान पर लाछन लगी है। मानसिक दृष्टिकोण से भी वह आहत है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सम्भागीय परिवहन अधिकारी से अभद्रता करने वाला कार चालक साथी सहित गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने सम्भागीय परिवहन अधिकारी से अभद्रता करने वाले कार चालक व उसके साथी को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहायक परिवहन अधिकारी विकासनगर रावत सिंह ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज रात्रि को वह सहायक संगागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) विकासनगर मय चालक संजय कुमार, प्रमोद, भवान सिंह, विक्रम सिंह महावीर सिंह के साथ रात्रि चैकिंग हेतु ढालीपुर कार्यालय से अपने क्षेत्र में चैकिंग करते हुऐ सेलाकुई पहुंचा तो सेलाकुई में वाहन मारुति ईको निजी वाहन को चैक किया गया तो वाहन चालक विक्रम उर्फ विक्की निवासी रामनगर बस्ती बिसलपुर थाना बिलसण्डा जिला पीलीभीत उत्तर प्रदेश हाल पता अमन की दुकान के पास पीठवाली गली सेलाकुई बताया जैसे वाहन में बैठी सवारी से पूछा तो सवारियो ने बताया की वह 500 रूपया प्रति सवारी के हिसाब से किराया देकर बैठे है। तब तक सवारी ने बताया की वह सेलाकुई से पीलीभीत जा रहे है। इतनी देर में चालक सीट चालक विक्रम उतर कर आया और उसके साथ अभद्र व्यवहार करने लगा जब तक वह उसको समझाने लगा तो वाहन की दूसरी ओर से एक व्यक्ति और आया वह भी गाली गलौच करते हुऐ सरकारी कार्य में बाधा डालते हुऐ धमकाया गया भीड अधिक होते देख उसके द्वारा स्थानीय पुलिस को बुलाया गया तब उसको चालक व उसके साथी ने गाडी पकडने को लकर देख लेने की धमकी दी दोनो लोग नशे में प्रतीत हो रहे थे मौके पर दोनो के द्वारा उपद्रव किया गया स्थानीय पुलिस व उसके द्वारा दोनो उपद्रवी को मय वाहन के थाना पर लाया गया चालक व उसकी साथी द्वारा गली गलौच करते हुऐ सरकारी कार्य में बाधा डाली गयी एवं भविष्य में देख लेने की धमकी दी गयी।

मजदूर अपने ऊपर हुए अत्याचारों का लेंगे हिसाबः शर्मा

संवाददाता

देहरादून। इंटक के प्रांतीय महामंत्री अशोक शर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनाव एक अच्छा मौका है मजदूरों को अपने ऊपर हुए अत्याचारों का हिसाब किताब चुकाने के लिए।

आज यहां एटक के प्रांतीय महामंत्री अशोक शर्मा ने कहा कि पैरों के छालों और जख्मों को याद करें और मोदी सरकार को सत्ता से दूर करें। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लोकसभा चुनाव एक अच्छा मौका है मजदूरों को अपने ऊपर हुए अत्याचारों का हिसाब किताब चुकाने का और मजदूर मोदी सरकार के द्वारा जो हमले किए गए हैं उन कुकृत्यों को याद करते हुए वोट देगा और इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को विजयी बनाएगा इस अवसर पर तय किया गया कि 7

अप्रैल को राज्य स्तरीय कन्वेंशन आयोजित किया जाएगा। जिसमें सीटू ,एटक व इंटक के तमाम मजदूर हिस्सेदारी करेंगे। यह कन्वेंशन खुशीराम लाइब्रेरी हॉल में गांधी रोड पर किया जाएगा। जिसमें स्कीम वर्क्स आशा, भोजन माता, आंगनबाड़ी बढ़-चढ़कर के हिस्सेदारी करेंगे। वहीं उद्योग व कारखाने का मजदूर भी इसमें हिस्सेदारी करेगा। इस अवसर पर तय किया गया कि मोदी सरकार के कारनामों को उजागर करने के लिए एक बुकलेट भी छापी जाएगी जिसमें मोदी सरकार के द्वारा मजदूर विरोधी कदम उठाए गए हैं उन्हें याद दिलाया जाएगा।

इस अवसर पर इंटक के प्रांतीय महामंत्री रवि नंदन कुमार, उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह नेगी, प्रदेश सचिव पेनौली, बैंक कर्मचारी यूनियन से एस.एस.रजवार, हिमांशु नेगी, मनोज कुमार, पाल किशन गोदियाल, कलीम अहमद, नीरज कांत त्यागी, अजय पाल सिंह उपस्थित थे।

उक्रांद के हरिद्वार लोकसभा प्रत्याशी ने नुक्कड नाटक कर जनता को बतायी प्राथमिताएं

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल के हरिद्वार लोकसभा प्रत्याशी मोहन सिंह असवाल ने नुक्कड नाटक के माध्यम से प्रदेश की समस्याएं व अपनी प्राथमिकताओं से अवगत कराया।

आज यहां उत्तराखंड क्रांति दल के हरिद्वार लोकसभा के प्रत्याशी मोहन सिंह असवाल के द्वारा बालावाला, नकरौंदा आदि क्षेत्र में रैली आयोजित कर चौक-चौक पर छोटी-छोटी नुक्कड़ सभाएं करके वहां के स्थानीय लोगों से कहा कि किस प्रकार बड़े राष्ट्रीय दलों ने बारी बारी उत्तराखंड राज्य का दोहन किया है। यहां के जल, जंगल, जमीन बेचे जा चुके हैं। युवा बेरोजगार घूम रहे है। देवभूमि कहे जाने वाले उत्तराखंड में अब महिलाएं सुरक्षित नहीं है। राष्ट्रीय दलों द्वारा युवाओं को नशे में धकेला जा चुका है। लोकतंत्र की आड़ में प्रबल राजशाही पनप रही है। आगे केंद्रीय युवा अध्यक्ष राजेंद्र बिष्ट ने कहा कि यदि उत्तराखंड क्रांति दल सत्ता में आती है तो कठोर भू कानून तथा मूल निवास 1950 लागू किया जाएगा। यहां के नौकरियों में उत्तराखंड के मूल निवासियों को 80 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।

चारधाम यात्रा में यहां के बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। युवा प्रकोष्ठ के महानगर अध्यक्ष प्रवीण रमोला ने कहा की मात्र उत्तराखंड क्रांति दल ही उत्तराखंड के मूल निवासियों के हित की बात करता रहा है और करता रहेगा, बाकी दलों द्वारा तो वोट की राजनीति की जा रही है। हमें अपने लोगों को पहचानना होगा तथा उनको आगे बढ़ना होगा रैली में सैकड़ो लोगों ने हिस्सा लिया तथा क्षेत्रीय दल के नारे गूंजे। रैली में केंद्रीय महामंत्री बृजमोहन सजवान महानगर अध्यक्ष विजेंद्र सिंह रावत, भोला चमोली, अनूप, अरविंद बिष्ट, दीपक रावत, मुकेश कुंद्रा, कुंवर प्रताप सिंह, बहादुर सिंह रावत, मनीष रावत, मधु सेमवाल, नैना लखेरा, उषा रमोला, जितेंद्र पवार, मनोज कंडवाल आदि कई पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

औटिस्म जागरुकता पर एक दिवसीय कार्यशाला

संवाददाता

देहरादून। फोरगिवनेस फाउंडेशन सोसायटी ने विश्व औटिस्म जागरूकता दिवस पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

आज यहां मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में अग्रणी सामाजिक संस्था फोरगिवनेस फाउंडेशन सोसाइटी ने विश्व औटिस्म जागरूकता दिवस पर अभिभावकों और शिक्षकों को औटिस्म मानसिक रोग की जागरूकता और सहायता के लिए नि:शुल्क कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला देहरादून वर्ल्ड स्कूल के तत्वाधान में आयोजित की गई। जिसमें प्रख्यात मनोवैज्ञानिक डॉ पवन शर्मा (द साइकेडेलिक) और सुनिष्ठा सिंह ने प्रतिभागियों को औटिस्म रोग के कारण और लक्षण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने ये भी बताया कि किस तरह से अभिभावक और शिक्षक औटिस्म से ग्रसित बच्चों और लोगों को बेहतर तरीके से सम्भाल सकते हैं और उनकी मन:स्थिति और किसी बात को व्यक्त करने के तरीकों को समझ सकते हैं। डॉ पवन शर्मा ने औटिस्म, डिप्रेशन और भी दूसरी छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं और चुनौतियों से जुड़े प्रश्नों का संतोषजनक जवाब दिया और मानसिक स्वस्थ्य बेहतर बनाये रखने के तरीके बताये। इस कार्यक्रम में भूमिका भट्ट शर्मा और निर्देशक हमेन्द्र दवान ने भी सम्वाद किया।

दस साल बाद भी विमान लापता है!

श्रुति व्यास

क्या आपको एमएच 37० याद है? वह फ्लाइट जो आकाश से अचानक गायब हो गई थी और जिसका फिर कुछ पता ही नहीं चला? इस विशाल हवाईजहाज़ का एक छोटा-सा टुकड़ा तक नहीं मिला। कोई खिडकी, पंख का टूटा हुआ हिस्सा, कोई कटा-फटा सूटकेस जिसमें मरने वाले के कपड़े अभी भी हों, कोई उखड़ी हुई सीट जिसमें एक क्षत-विक्षत कंकाल सीट बेल्ट से बंधा हो, उसकी निर्जीव उंगलियां हैंडल को पकड़े हुई हों और उसके मुंह पर आखिरी साँस लेने के ठीक पहले की ऐंठन हो। कुछ भी नहीं मिला। एकदम नहीं।

आल राईट, गुड नाईट ये वे आखिरी शब्द थे जो एमएच 37० से प्रसारित किये गए और 8 मार्च 2०14 को एयर ट्रेफिक कण्ट्रोल द्वारा सुने गए। उस समय विमान थाईलैंड के फुकेट नामक द्वीप के नज़दीक था। और फिर न जाने क्या हुआ कि ये अत्याधुनिक बोईंग 737 अदृश्य हो गया। यह जहाज़ सेटेलाइट ट्रेकिंग और सतत संवाद के आधुनिकतम उपकरणों से लैस था। मगर फिर भी हमें नहीं पता कि वो कहाँ गया।9/11 से पहले से ही डरे हुए विमान यात्रियों के लिए यह घटना एक नया खौफ लेकर आई।

इस विमान के लापता होने के बाद के शुरूआती सालों में हर कोई उसके रहस्य पर से पर्दा उठाने में जुटा रहा। विमान के गायब होने के बाद कुछ दिनों तक उसके बारे में इतनी कम जानकारी उपलब्ध थी कि मध्य एशिया के कजाकिस्तान से लेकर अंटार्टिका तक के विशाल भूभाग में उसे खोजा जा रहा था। यह मामला लंबे समय तक सुर्खियों में बना रहा। अंततः विमान का क्या हुआ, वह कहाँ गिरा, दुर्घटना की वजह क्या थी, क्या कोई जिंदा बचा - इस सबके बारे में कयास लगाए जाते रहे।

हर नई खबर और हर नई जानकारी विमान या उसके मलबे की खोज के लिए चल रहे अभियान में जनता की रूचि दुबारा जगा देती थी। घटना के बाद के हफ्तों, महीनों और सालों में उपग्रहों और रडार डाटा और यहां तक कि समुद्र की लहरों के प्रवाह की दिशा के विश्लेषण से खोज का इलाका सिमटकर छोटा होता गया। खोज अभियान में करोड़ों डालर खर्च हो गए। मामले का राजनीतिकरण भी हुआ और मलेशिया को खलनायक बताया गया। जितने मुंह उतनी बातें। तरह-तरह के कारण सुझाए गए। साजिशों की बात भी आई। जहाज़ के कप्तान को 239 यात्रियों का हत्यारा भी बताया गया। उनके परिवार को भद्दे तानों और गालियों का निशाना बनाया गया।

आज दस साल बाद भी उनका परिवार अलग-थलग रह रहा है। इसके अलावा यह आशंका भी व्यक्त की गई कि जहाज़ के गायब होने में किसी नापाक देश की किसी नापाक संस्था का हाथ है, जिसने या तो विमान को मार गिराया या उसे गायब करवा दिया। या विमान को किसी खुफिया जगह पर उतारा गया क्योंकि उसमें संवेदनशील प्रकृति का कोई सामान था या राजनैतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कोई व्यक्ति सवार था।

कई महीनों तक इसके लापता यात्रियों के बारे में जांच-पड़ताल चलती रही। ऐसे आरोप लगाए गए कि उनमें से किसी एक ने या उनमें से कुछ ने मिलकर विमान पर कब्जा कर उसके सभी यात्रियों को सामूहिक हत्या-आत्महत्या की साजिश का शिकार बना दिया। इसके अलावा कम नाटकीय वजहों पर भी विचार किया गया जिनमें किसी व्यक्ति का कोई हाथ न रहा हो, जैसे विद्युत प्रणाली का नाकाम हो जाना, आग लग जाना या काकपिट में अचानक वायु के दबाव में कमी आ जाना। ढ़ाई साल के विश्लेषण, कयासों, चर्चाओं और अनुमानों के बाद एमएच 37० ने टाईटन के डूबने की तरह एक ऐतिहासिक घटना का दर्जा हासिल कर लिया।

कोरा पर एक अत्यंत जिज्ञासु व्यक्ति ने प्रश्न पोस्ट कियाः क्या आप मानते हैं कि एमएच 37० के यात्री टीवी शो 'लॉस्ट' के पात्रों की तरह जीवित हैं? एक आशावादी ने इसका जवाब दिया (जिसे 28 लाख लोगों ने पढ़ा) - ''मैं व्यावहारिक तो हूँ लेकिन मैं यह विश्वास करना चाहता हूं कि इस विमान के यात्री 'लॉस्ट' की तरह जी रहे हैं। 'लॉस्ट' सन 2००4 से 2०1० तक प्रसारित एक अमेरिकी टीवी सीरियल था जिसमें यह दिखाया गया था कि एक विमान, जो दुनिया के नजरों में क्रेश हो चुका है, के यात्री एक निर्जन द्वीप में रह रहे हैं। यह मनुष्य का स्वभाव है कि कोई भी भयावह और रहस्यमय घटना एक बार मन में बैठ जाए तो वह जुनून बन जाती है। टाईटेनिक और एमएच 37० आज के दौर की गुत्थी हैं।

विमान के यात्रियों के परिवारजन, जो अंतिम उत्तर का अब भी इंतजार कर रहे हैं, की उम्मीदें एक बार फिर जाग गई हैं।भले ही 1० साल हो जाएं, 2० साल हो जाएं या उससे भी ज्यादा समय बीत जाए, जब तक हम जिंदा हैं तब तक हम सच्चाई को सामने लाने के लिए दबाव डालते रहेंगे। हमें विश्वास है कि अंततः सच सामने आएगा।यह कहना है चीन के बाई ज्होंग का जिनकी पत्नि इस विमान में थीं। लेकिन दुःख झेल रहे अधिकांश लोगों का दृढ विश्वास है कि उन्हें अपने जीवन में कभी अपने सवालों का जवाब नहीं मिल पाएगा।

लेकिन जब उम्मीद में इच्छा मिल जाए तो वह समय से साथ कमज़ोर नहीं पड़ती। एमएच 37० का गायब हो जाना भले ही एक ऐसा रहस्य हो जिस पर से पर्दा उठाना असंभव हो लेकिन उसे सुलझाने का संकल्प आने वाले कई दशकों तक कायम रहेगा। क्या मनुष्य ने उस टाइटैनिक के डूबने के बारे में सोचना बंद किया है जो कभी डूब नहीं सकता था?

नारियल पानी से चेहरे पर दाने नहीं होते

गर्मियों के दिनों में चेहरे पर पानी के छींटे मारने से काफी राहत मिलती है। ऐसा माना जाता है कि गर्मियों के मौसम में दिन भर में कम से कम दो से तीन बार चेहरे को साफ पानी से अवश्य धुलना चाहिए। इससे चेहरा साफ रहता है, दाने नहीं होते हैं और दमक भी बनी रहती है।

लेकिन क्या आपको मालूम है कि नारियल का पानी, चेहरे के लिए साधारण पानी की अपेक्षा कहीं ज्यादा लाभकारी होता है। कोकोनट वॉटर से चेहरे पर दाने नहीं होते हैं और ब्लैकहेड्स भी निकल जाते हैं। त्वचा में पसीना बहुत ज्यादा आने पर भी नारियल पानी लाभदायक होता है।

ताजे हरे नारियल के पानी से चेहरे को दो बार तर कर लें, इससे त्वचा का रंग अच्छा बना रहता है। त्वचा पर नारियल पानी के कई गुणकारी लाभ होते हैं जिनके बारे में हम आपको बोल्डस्काई के इस आर्टिकल में बता रहे हैं:

1. दागों को दूर करें: अगर चेहरे पर बहुत अधिक दाग-धब्बे हैं तो नारियल का पानी फायदेमंद साबित होता है। इससे चेहरे पर दाग नहीं रह जाते हैं और त्वचा साफ व दमकदार हो जाती है।

2. मुंहासों से छुटकारा: चेहरे पर बहुत अधिक दाने होने की स्थिति में भी नारियल पानी से चेहरा धोने या कॉटन बॉल से लगाने पर अधिक फायदा होता है। ये मुंहासे बढ़ते नहीं है और इनकी कीलें भी स्वत: निकल जाती हैं। गर्म दिनों में नारियल पानी, त्वचा के लिए रामबाण होता है।

3. डार्क स्पॉट से निजात: आंखों के नीचे काले घेरे हो जाने पर नारियल पानी को नियमित लगाने से लाभ मिलता है। त्वचा पर होने वानी एलर्जी से भी नारियल पानी छुटकारा दिलवा देता है। अगर आप चाहें तो इस पानी में चुटकी भर हल्दी मिला लें। इससे चेहरे पर शाइन भी आ जाती है।

4. झुर्रियों को करें दूर: उम्र का असर सबसे पहले झुर्रियों के रूप में ही दिखता है। त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों को नारियल पानी दूर कर देता है। आप इसे पानी को ड्राई फेस पैक में डाल दें और फिर उसे पैक को चेहरे पर लगाएं। इससे कुछ ही दिनों में झुर्रियां गायब हो जाएगी।

5. सन टैन हटाएं: तेज धूप के कारण कई लोगों की त्वचा झुलस जाती है और उनके चेहरे की दमक भी चली जाती है। ऐसे में नारियल पानी फायदेमंद साबित होता है। इसमें ब्लीचिंग प्रॉपर्टी होती है जो स्कीन टोन को बेहतर कर देती है।

भारत में एक देश एक चुनाव की महत्ता

–डॉ. सुभाष गंगवाल

भारत विश्व का सबसे बडा प्रजातांत्रिक देश माना जाता है, जहां पर जनप्रतिनिधियों का निर्वाचन चुनाव पद्धति के द्वारा किया जाता है। निर्वाचन के लिए लोकसभा विधानसभा व पंचायत स्तर पर 5 वर्ष की अवधि के बाद चुनाव समय अवधि समाप्त होने पर करवाए जाते है चुनाव आयोग व राज्य चुनाव आयोग वर्ष पर्यंत देश में चुनावी व्यवस्था का कार्य निरंतर रूप से करता रहता है। देश में अप्रैल, 2०24 में लोकसभा चुनाव करवाए जाने हैं इसके बाद निर्धारित अवधि में राज्य विधानसभाओं एवं पंचायती राज के चुनाव होने है। राजस्थान में विधानसभा चुनाव हुए थे इसके बाद अप्रैल में लोकसभा व अगस्त 24 के बाद पंचायत स्तर के चुनाव करवाए जाने है। औसतन तीनों स्तर पर चुनाव करवाए जाने पर डेढ वर्ष का समय लग जाता है चुनावी आचार संहिता लागू होने के कारण सरकारी की विकास घोषणाओं पर प्रतिबंध लग जाता है। सरकारी कामकाज तक हो जाता है। जनता के कार्य नहीं हो पाते है। सरकारी योजनाएं व कार्यक्रम सरकारी विभागों की कार्य करने की गति अत्यंत धीमी हो जाती है। सम्पूर्ण सरकारी मशीनरी चुनाव को सम्पन्न करवाने में लग जाती है शिक्षण व यातायात व्यवस्था ठप हो जाती है पुलिस वर्ग की भी चुनावी ड्यूटी लगने से कानून व्यवस्था का दैनिक कार्य ठप हो जाता है। देश में मतदाताओं की संख्या निरंतर ब?ती जा रही है चुनाव का कार्य अत्यधिक जटिल वह समय बढोतरी का होता जा रहा है। चुनावी खर्च भी लगातार ब?ता जा रहा है अनुमान है कि वर्ष 2०19 में लोकसभा चुनाव में लगभग 6०००० करो? रुपए हुए थे। ऐसे में यह विचार रखा जा रहा है कि तीनों प्रकार की सरकारों के लिए चुनाव पूरे देश में एक साथ करवाए जाने चाहिए। इसी दृष्टिकोण के मध्य नजर रखते हुए सरकार ने पूर्व रा?ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया था। जिसने इस चुनाव सुधार की दृष्टि से अपना प्रतिवेदन वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दिया है।

उच्च स्तरीय कमेटी ने अपने प्रतिवेदन में महत्वपूर्ण सिफारिश की है कि देश में लोकसभा राज्य विधानसभाओं के चुनाव पहला कदम पर इसके बाद पंचायत स्तर के चुनाव संपूर्ण देश में एक साथ करवाए जा सकते है। यह चुनाव 18वीं लोकसभा के गठन के पांच वर्ष पूरे होने पर वर्ष 2०19 में संभव होंगे। कमेटी का मानना है की प्रथम कदम जिसके अंतर्गत लोकसभा व राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करवाए जाने है के लिए संविधान संशोधन की आवश्यकता है लेकिन राज्यों की विधानसभाओं से अनुमति की आवश्यकता नहीं है। द्वितीय कदम के अंतर्गत स्थानीय पंचायत के चुनाव लोकसभा में राज्य विधानसभा के निर्वाचन के 1०० दिवस में करवाए जाने है। अवधि का निर्धारण राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा नियुक्ति तिथि के 5 वर्ष रखी जाएगी। यदि किसी चुनाव में स्पष्ट बहुमत के अभाव में आगामी सरकार का गठन नहीं हो पता है तो इसके बाद बचे हुए समय अवधि के लिए ही नए चुनाव करवाए जाएंगे, लेकिन आगे चुनाव दोनों मिलकर 5 वर्ष ही रहेंगे कमेटी का मानना कि चुनाव आयोग केंद्र, राज्य सरकार, सुरक्षा बल, राज्य कर्मचारियों की व्यवस्थाए सम्पूर्ण देश के लिए एक साथ कैसे उपलब्ध होगी। यह मिलकर तय करें तथा उसी अनुरूप चुनावी व्यवस्था हो। देश के मतदाताओं को इलेक्ट्रॉनिक मत पत्रों का उपयोग तीनों चुनाव के लिए एक साथ लिया जाए तथा एक ही मतदाता सूची बनाई जाए। जिसका उपयोग तीनों चुनाव में किया जाए। कमेटी का मत है कि एक साथ चुनाव कराए जाने पर चुनावी खर्च में कमी आएगी तथा आचार संहिता व चुनावी व्यवस्था के कारण बार-बार जो सरकार के दैनिक कामकाज की गति में बाधा आती है उसमें कटौती होगी।

एक अनुमान है कि यदि एक साथ चुनाव करवाए जाते हैं तो देश में 1.5 प्रतिशत जीडीपी की वृद्धि हो सकती है जो की अनुमानित है 4.5 मिलियन डॉलर आती है, लेकिन इसका दूसरा पक्ष है कि वर्ष 1967 तक एक साथ चुनाव करवाए जाते थे तब भी भारत की विकास दर अत्यंत कम दो से तीन प्रतिशत ही रहती थी तो अब वृद्धि कैसे होगी। विपक्ष का आरोप है कि एक साथ चुनाव की अवधारणा भारत के संविधान की भावना के अनुरूप नहीं है जिसके अंतर्गत भारत में विभिन्नता का महत्व दिया गया है ताकि प्रजातंत्र की रक्षा हो तथा एक छत्र राज व सत्ता केंद्रीय कारण ना हो सके। जो की तानाशाही प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करता है। भारत में विभिन्न भाषाएं, धर्म जाति, रहन-सहन, खानपान, संस्कृति, सभ्यता है तो चुनाव एक साथ क्यों होनी चाहिए। चुनाव के अंतर्गत विरोध पक्ष का अत्यधिक महत्व है जो की सत्ता रू? सरकार के समानांतर स्थान रखता है। विपक्ष की भूमिका सरकारी कामकाज पर नजर रखने की है जो कि सत्तारूढ सरकारी को आगाह करता है तथा जागरूक बनाता है। प्रजातंत्र के अंतर्गत सीधा राजमार्ग को महत्व नहीं है उसे पर नजर व रोक भी जरूरी है। कोई भी चुनाव में तात्कालिक लहर व घटना अत्यधिक महत्व रखती है प्रत्येक राज्य की अपनी संसाधन, मानवीय शक्ति, शिक्षण स्तर, ढांचागत विकास की अपनी भिन्नता है व असमानता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

दिनभर में आप कितनी चाय पीते हैं?

दिन की शुरुआत चाय से हो जाए तो मजा आ जाता है। ऐसे कई लोग हैं जिन्हें हम चाय के दीवाने का नाम देते हैं। वहीं भारत एक ऐसा देश है जहां लोगों के दिन की शुरुआत चाय से होती है। यहां कई लोग ऐसे हैं, जो सुबह शाम नहीं बल्कि दिनभर चाय का सेवन करते हैं। आप भी इन्हीं लोगों में शामिल हैं, तो ये खबर आपके लिए है। बता दे कि जरूरत से ज्यादा चाय का सेवन हमारे शरीर में गंभीर बीमारी को जन्म देता है।

चाय के नुकसान

चाय का नाम सुनते ही लोग खुश हो जाते हैं। कुछ लोग तो ऐसे हैं, जिन्हें दिन भर में आप कितनी भी चाय दे दो वह सारी पी जाते हैं। चाय के अधिक सेवन से पेट में जलन, एसिडिटी और कब्ज जैसी समस्या हो सकती है। अधिक मात्रा में चाय का सेवन करने से हड्डियों को नुकसान, नींद उड़ जाना, स्किन काली पडना जैसी दिक्कत हो सकती है। इसमें मौजूद कैफीन मस्तिष्क को प्रभावित करता है, जिससे सोचने की क्षमता कम हो जाती है। इसके अलावा ज्यादा चाय पीने वालों की त्वचा सांवली हो जाती है और उन्हें पिंपल्स जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

ऐसे करें बचाव

एकदम चाय की लत को छोडना मुश्किल होता है। लेकिन आप थोड़ा-थोड़ा करके इससे छुटकारा पा सकते हैं। यदि आपको चाय की तलब होती है, तो आप कम दूध की चाय में तुलसी, इलायची, अदरक, लौंग जैसी चीजें डालकर दिन में दो या तीन बार पी सकते हैं। इसके अलावा चाय में चीनी और दूध का उपयोग कम करें, सोने से पहले चाय बिल्कुल ना पिए, खाना खाने के बाद भी चाय का सेवन न करें, प्रेगनेंसी में चाय का सेवन करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें।(आरएनएस)

कितने दिन तक खा सकते हैं कटा हुआ तरबूज!

गर्मियों का मौसम आते ही बाजार में तरबूज की बिक्री शुरू हो जाती है। तरबूज का इंतजार लोगों को पूरे साल रहता है। गर्मियों में लोग सबसे ज्यादा रसदार मीठा फल तरबूज खाते हैं। तरबूज एक ऐसा फल है, जो हर किसी को बेहद पसंद होता है। इसमें मौजूद कई पोषक तत्व हमारे शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करते हैं।

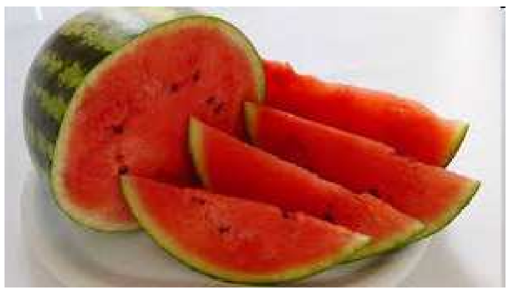

जानें इसके फायदे

तरबूज में 9०प्रति. पानी मात्रा होती है, जिससे ये शरीर में पानी की कमी को पूरा करता है। तरबूज में कैलोरी बहुत कम होती है, इस कारण यह वजन कम करने में भी कारगर है। इसके अलावा तरबूज ब्लड प्रेशर, हड्डियां, दांत की परेशानी, आंखों की दिक्कत, मसल्स रिकवरी और कैंसर जैसी बीमारियों के लिए फायदेमंद है। तरबूज बहुत ही उपजाऊ होता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

कटा हुआ तरबूज सही या नहीं

तरबूज स्वादिष्ट होने के साथ सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। लेकिन कई लोग बचा हुआ तरबूज आधा काट कर रख देते हैं और फिर उसे कुछ दिन बाद खाते हैं। क्या आप जानते हैं कटे हुए तरबूज को कितने दिनों तक खाना सही होता है? तरबूज में पानी की मात्रा होने से इसकी सही तारीख बताना थोड़ा मुश्किल होता है, लेकिन तरबूज को अगर आप काट देते हैं तो इसे तत्काल ही खा लेना चाहिए। यदि आप एक बार में पूरा तरबूज नहीं खा सकते हैं, तो फिर इसे किसी ठंडी जगह पर रख देना चाहिए। आमतौर पर यह 3 से 4 दिनों तक ठंडी जगह में होने की वजह से सुरक्षित रहता है, लेकिन इसके बाद इसका स्वाद और गुणवत्ता नहीं बचती। अगर आप कटा हुआ तरबूज खाते हैं, तो ध्यान रहे कि इसे आपको ठंडी जगह पर रखना है। लेकिन 3 से 4 दिन के बाद इसके सेवन से बचना चाहिए। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -122

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. लज्जत, जायका 2. मुकाबला, भेंट, होड़ 5. बंदी, कैद की सजा पाने वाला व्यक्ति 7. खल-पात्र, नाटक फिल्म आदि का बुरा पात्र 9. कामी, व्याभिचारी 10. इज्जत जाना, बेइज्जती होना (उपमा)11. ऊटपटांग, विचित्र, कठिन 13. वैभव, ठाट-बाट 14. साथ, सहित 15. कामदेव की पत्नी, प्रेम 16. मैं का बहुवचन 17. दरवाजे-दरवाजे 20. एक राशि, मगर 22. नमी, सीड़, मुहर, ठप्पा 23. औषधालय, चिकित्सालय।

ऊपर से नीचे

1. आत्मनिर्भर, स्वालंबन भावना से युक्त, स्वाश्रित 2. वर्ष, बरस 3. राजी करना, रूठे हुए को खुश करना, प्रसन्न करना 4. नाटक फिल्म आदि का मुख्यपात्र 6. दीवानगी, पागलपन, 7. दो वस्तुओं के टकराने से उत्पन्न ध्वनि, बैर-विरोध, अनबन 8. खीरे की प्रजाति का एक फल 11. बेवकूफ, मूर्ख 12. बादल, मेघ 13. बहुत चालाक, होशियार 14. जिसका मत दूसरे से मिलता हो, 15. दांत, दंत 18. प्राप्ति, वस्तु आदि मिलने का प्रमाण पत्र 19. दंगा-फसाद, उपद्रव विप्लव 21. बचाव, सुरक्षा।

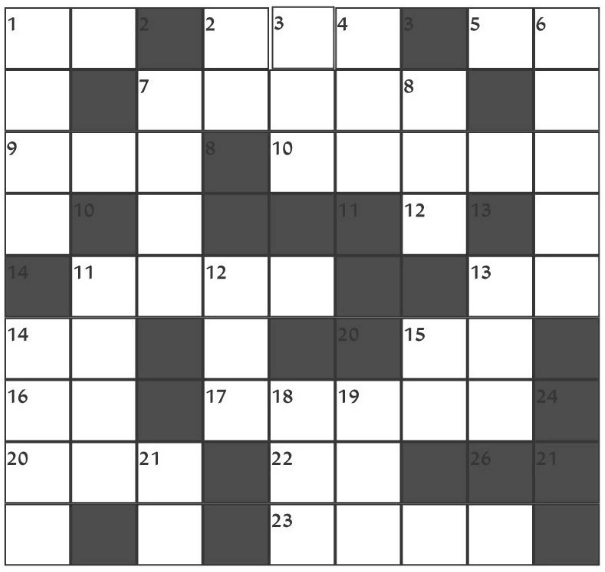

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 121 का हल

ग	ल	त				खा	म	खाँ
णे		ल		झ	प	की		
श	र	ब	त		रं			मि
	ज	गा	ना		प	रा	का	ष्ठा
	नी	र		वि	रा	ज	मा	न
ना	च			प			य	
म	र	णा	स	न्न		पा	नी	
ची			प		पा			भो
न	ज	रा	ना		स	मा	चा	र

राम चरण की गेम चेंजर का पहला गाना जरागांडी जारी

अभिनेता राम चरण की आगामी फिल्म गेम चेंजर को दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है।फिल्म में राम चरण की जोड़ी अभिनेत्री कियारा आडवाणी के साथ बनी है। विनय विद्या राम के बाद यह कियारा और राम चरण के बीच दूसरा सहयोग है।27 मार्च को राम चरण अपना 39वां जन्मदिन मना मनाया था।इस खास मौके पर निर्माताओं ने गेम चेंजर का पहला गाना जरागांडी जारी कर किया । गेम चेंजर के पहले गाने जरागांडी को दलेर मेहंदी और सुनिधि चौहान ने मिलकर गाया है।

इस गाने के बोल अनंत श्रीराम ने लिखे हैं।फिल्म के निर्देशन की कमान शंकर ने संभाली है। फिल्म की कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी हैगेम चेंजर एक राजनीतिक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें राम चरण और कियारा के अलावा अंजलि, एसजे सूर्या, जयराम, सुनील, श्रीकांत, समुथिरकानी और नासर जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'जरागांडी' में चरण और कियारा एनर्जेटिक डांस नंबर पर एक साथ पैर थिरकाते नजर आएंगे. गाने को प्रभु देवा ने कोरियोग्राफ किया है. वहीं फिल्म गेम चेंजर की बात करें तो इसका निर्देशन शंकर ने किया है, जो शिवाजी- द बॉस, रोबोट, 2.० और इंडियन जैसे शानदार प्रोजेक्ट डायरेक्ट कर चुके हैं .कथित तौर पर, फिल्म में चरण एक आईएएस अधिकारी की भूमिका निभाते नजर आएंगे, जबकि कियारा उनकी प्रेमिका और एक साथी आईएएस अधिकारी की भूमिका निभाती नजर आएंगी. हालांकि, फिल्म की ऑफिशियल रिलीज डेट का अभी भी इंतजार है.

विद्या बालन की फिल्म दो और दो प्यार का पहला गाना जज्बाती है दिल हुआ रिलीज

विद्या बालन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दो और दो प्यार को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनकी जोड़ी पहली बार सेंथिल राममूर्ति के साथ बनी है।यह फिल्म 19 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।इससे पहले निर्माताओं ने दो और दो प्यार का पहला गाना जज्बाती है दिल जारी कर दिया है, जिसे अरमान मलिक और अनन्या बिड़ला ने मिलकर गाया है।कुणाल वर्मा ने इस रोमांटिक गाने के बोल लिखे हैं। दो और दो प्यार का निर्देशन शीर्षा गुहा ठाकुरता ने किया है। समीर नायर, दीपक सहगल, तनुज गर्ग, अतुल कस्बेकर और स्वाति अय्यर चावला इस फिल्म के निर्माता हैं।विद्या ने दो और दो प्यार का पहला गाना जज्बाती है दिल साझा करते हुए लिखा, सौ दफा ये टूटेगा, फिर भी प्यार में कूदेगा। क्यों की जज्बाती है दिल।प्रसिद्ध अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं। फिल्म में उनकी जोड़ी प्रतीक गांधी के साथ बनी है।

श्रेयस तलपड़े की कर्तम भुगतम की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, नया पोस्टर भी जारी

अभिनेता श्रेयस तलपड़े पिछले कुछ समय से अपनी आगामी फिल्म को लेकर खबरों का हिस्सा बने हुए हैं, जिसका नाम कर्तम भुगतम है।इस फिल्म में विजय राज, मधु और अक्षा परदासनी जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।सोहम पी शाह ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है।अब निर्माताओं ने कर्तम भुगतम की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है। यह फिल्म 17 मई, 2०24 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

कर्तम भुगतम को हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।फिल्म का नया पोस्टर भा सामने आ चुका है, जिसमें श्रेयस के साथ विजय राज की झलक दिख रही है।कर्तम भुगतम से पहले श्रेयस फिल्म लव यू शंकर में दिखाई देंगे, जो 19 अप्रैल, 2०24 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।श्रेयस ने हाल ही में तुषार कपूर के साथ अपनी नई फिल्म कपकपी का ऐलान किया था।

फिल्म के बारे में बात करते हुए श्रेयस तलपड़े ने कहा, मेरे लिए कर्तम भुगतम एक सार्वभौमिक सत्य है। जो आप करोगे वही आपके सामने आएगा। जब मैंने फिल्म की कहानी और इसका टाइटल सुना तो मैं तुरंत फिल्म की ओर आकर्षित हो गया। फिल्म की कहानी इसके नाम की तरह ही अनोखी और रोचक है। निर्देशक सोहम पी. शाह ने कहा, फिल्म कर्तम भुगतम एक मनोवैज्ञानिक थ्रिलर है जो कर्म की जटिल कार्यप्रणाली से संबंधित है। हमारी फिल्म ज्योतिष और मानव भाग्य के बीच गहरे संबंध की पड़ताल करती है।

दंगल गर्ल फातिमा सना शेख ने बॉलीवुड में पूरे किए 8 साल

2०16 में आमिर खान स्टारर दंगल से डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में आठ साल पूरे कर लिए हैं।

उन्होंने अपने एक्टिंग करियर में लूडो, अजीब दास्तां, थार, धक धक और सैम बहादुर जैसी शानदार फिल्में की हैं।

एक्ट्रेस ने कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें इंडस्ट्री में काम करने का मौका मिला।

अपनी एक्टिंग जर्नी के बारे में बात करते हुए फातिमा ने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही हूं। बहुत से लोगों के लिए इंडस्ट्री में आना अभी भी सपना बना हुआ है। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं कि मुझे यह अवसर मिला। मैंने ऑडिशन दिया और मेरी कड़ी मेहनत रंग लाई, मुझे कई शानदार फिल्में मिलीं।

चाहे दंगल की गीता फोगाट हो या सैम बहादुर में शशि कुमार यादव, या फिर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका, फातिमा ने हमेशा स्क्रीन पर सशक्त महिलाओं का किरदार बेहतरीन तरीके से निभाया है।

एक्ट्रेस ने कहा, ऐसे किरदार मुझे उत्साहित करते हैं। मैं किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट करते रहना चाहती हूं। एक्सप्लोर करना चाहती हूं लेकिन अगर मैं किसी रोल या करेक्टर या ग्राफ के बारे में एक्साइटिड नहीं हूं तो मैं उस पर बिल्कुल भी समय खर्च नहीं करती।

एक्ट्रेस जल्द ही मेट्रो..इन दिनों और उल जलूल इश्क में नजर आएंगी।

बड़े मियां छोटे मियां का ट्रेलर जारी

बॉलीवुड खिलाड़ी अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर फिल्म बड़े मियां छोटे मियां लगातार सुर्खियों में बनी हुई है।फिल्म के टीजर और गाने सामने आने के बाद से दर्शकों में इस फिल्म को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। दर्शकों का उत्साह देखते हुए फिल्म के मेकर्स ने आज बड़े मियां छोटे मियां का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है। फिल्म का ट्रेलर बेहद ही दिलचस्प है।इसमें अक्षय-टाइगर जबर्दस्त एक्शन करते नजर आए हैं।

बड़े मियां छोटे मियां के मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। ट्रेलर गोलीबारी और बम धमाके के साथ-साथ दमदार एक्शन से भरपूर है। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अलग ही लेवल का स्टंट करते दिखाई दिए हैं। इसमें दोनों सितारे देश के एक ऐसे दुश्मन का खात्मा करने निकले हैं, जिसके बारे में किसी को कुछ भी पता नहीं है। ये दुश्मन देश की तबाही का सपना लिए बैठा है। फिल्म में दुश्मन के साथ अक्षय-टाइगर की जंग देखने को मिलेगी।

टाइगर और अक्षय ट्रेलर में बोलते नजर आ रहे हैं, दिल से सोलजर दिमाग से शैतान हैं हम..बच के रहना हमसे हिंदुस्तान हैं हम। अक्षय-टाइगर की जोड़ी अपने अंदाज में दुश्मन को हराने में लग जाती है। मगर ट्रेलर के आखिर में ये एक्शन जोड़ी एक-दूसरे की ही दुश्मन बन जाती है। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के साथ-साथ मानुषी छिल्लर, सोनाक्षी सिन्हा भी जबरदस्त अभिनय करती दिखाई दी हैं।

फिल्म में अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, अलाया एफ और मानुषी छिल्लर के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन, सोनाक्षी सिन्हा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। फिल्म को अली अब्बास जफर ने लिखा और निर्देशित किया है। इसके निर्माता वाशु भगनानी, दीपशिखा देशमुख, जैकी भगनानी, हिमांशु किशन मेहरा और अली अब्बास जफर हैं। फिल्म ईद के मौके पर बड़े पर्दे पर 1० अप्रैल 2०24 को रिलीज होगी।

अजय देवगन की फिल्म मैदान का गाना टीम इंडिया हैं हम रिलीज

इंटरनेशनल संगीतकार एआर रहमान ने आने वाली स्पोर्ट्स बायोपिक मैदान के लेटेस्ट ट्रैक को आउट किया। अजय देवगन-स्टारर के नए गाने का नाम टीम इंडिया है। मैदान भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के प्रतिष्ठित कोच सैयद अब्दुल रहीम के जीवन पर इंस्पायर्ड है। फिल्म में अजय देवगन मुख्य भूमिका में हैं। एक इवेंट में, एआर रहमान ने नया गाना पेश किया और इसे देशभक्ति की भावना जगाने वाला एक उत्साहजनक खेल गान बताया।

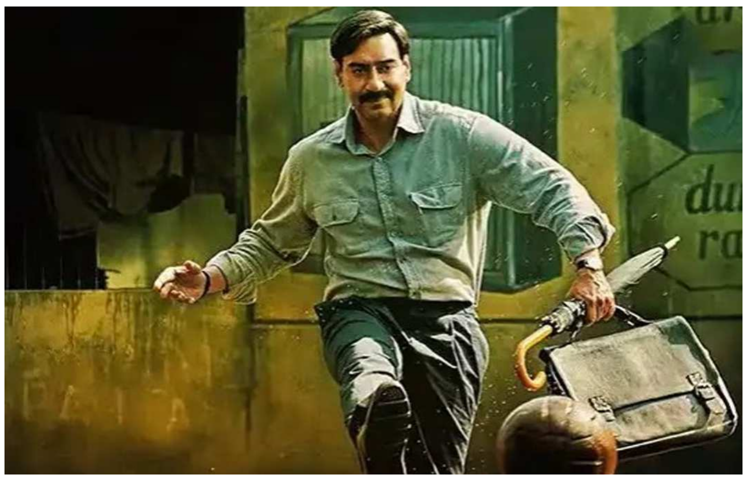

रहमान ने शेयर किया कि फिल्म और उनके गीत ने फुटबॉल के सार और देवगन द्वारा निभाए गए किरदार का सम्मान किया है। उन्होंने मेंशन किया कि गीत को अंतिम रूप देने में चार प्रयास लगे, जबकि पिछले गीतों को कोविड के दौरान बनाया गया था।

रहमान ने यह भी कहा कि बोनी कपूर द्वारा निर्मित फिल्म मैदान सिर्फ एक स्पोर्ट्स फिल्म से कहीं अधिक है, क्योंकि इसमें मानवता और रोमांस के तत्व शामिल हैं, जिसमें प्रियामणि सैयद अब्दुल रहीम की पत्नी की उल्लेखनीय भूमिका में हैं। लंबे समय से प्रतीक्षित स्पोर्ट्स ड्रामा 1० अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसमें देवगन, प्रियामणि, गजराज राव और रुद्रनील घोष मुख्य भूमिका में हैं। शुरुआत में, कीर्ति सुरेश को देवगन के अपोजिट भूमिका निभाने के लिए तैयार किया गया था, लेकिन प्रियामणि ने रूना की भूमिका संभाली।

सच्ची कहानी पर बेस्ड, मैदान अमित रविंदरनाथ शर्मा द्वारा निर्देशित है, और इसमें बंगाली अभिनेता रुद्रनील घोष के साथ प्रियामणि और गजराज राव भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म में ऑस्कर विनर एआर रहमान का संगीतमय स्कोर है। 2०2० में, कोरोनोवायरस पैंडेमिक पर अंकुश लगाने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के कारण निर्माता बोनी कपूर को फिल्म सेट को तोड़ना पड़ा। मई 2०21 में, मैदान का सेट चक्रवात ताउते द्वारा नष्ट कर दिया गया था।

यह फिल्म 1० अप्रैल, 2०24 में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह बॉक्स ऑफिस पर अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ-स्टारर बड़े मियां छोटे मियां से भिड़ेगी।

धार्मिक स्थल में भगदड़ रोकने के उपाय तलाशने होंगे

ऋह्युपर्ण दवे

भारत में धार्मिक आयोजनों की भीड़ में भगदड़ आम हो चुकी है। ऐसी घटनाओं में मौतें होना न नई हैं, और न ही अब हैरान करने वाली। लेकिन लगता है कि गंभीरता को जानते-समझते हुए भी सीख नहीं लेने से इन मौतों पर विराम तो दूर सोचना भी बेमानी लगता है।

दो-चार दिन बाद बात आई-गई हो जाती है। बीते दिनों वृंदावन में ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में रंगभरी एकादशी की रंगीली होली की शुरु आत के एक दिन पहले भीड़ ऐसी बेकाबू हुई कि एक श्रद्धालु ने दम तोड़ दिया जबकि एक की तबीयत बिगड़ गई। भारी भीड़ के दबाव में फंसी महिलाओं और बच्चों की चीखें निकलती रहीं और पुलिस की मुस्तैदी इस बात पर ज्यादा थी कि अति विशिष्टजनों की सेवा में कोई खलल न पड़े।

ऐसी ही एक घटना अगस्त, 2०22 में घटी जब श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मथुरा-वृंदावन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और बांके बिहारी मंदिर में रात 2 बजे मंगला आरती के दौरान दम घुटने से दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई, 9 घायल हो गए। आरोप लगे कि भीड़ नियंत्रित कराने वाले अपने परिजनों को वीआईपी दर्शन कराने में जुटे थे तो कई वीडियो बनाने में मशगूल रहे। परिसर में श्रद्धालु क्षमता 8०० लोगों की है, जबकि वहां 25-3० हजार श्रद्धालु मौजूद थे। धार्मिक आयोजनों में भारी भीड़ जुटना नया नहीं है।

लेकिन हादसों के बाद समझ आता है कि सुरक्षा कैसी होती है? वैज्ञानिकों ने 19०० के बाद से विश्व में भगदड़ या भीड़भाड़ की घटनाओं का एक डेटाबेस तैयार किया ताकि ऐसी मौतों को रोकने के उपायों को खोजा जा सके। इसमें 19००-2०19 के बीच ऐसी 281 घटनाएं शामिल की जिनमें या तो कम से कम एक व्यक्ति की मौत हुई या दस से ज्यादा लोग घायल हुए। यही आंकड़े बताते हैं कि दुनिया में भारत और पश्चिमी अफ्रीका ऐसी दुर्घटनाओं के सबसे बड़े केंद्र हैं। वक्त के साथ बढ़ती तकनीक के बावजूद तीन दशकों के आंकड़े चौंकाने वाले हैं क्योंकि घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

भारत में बीते कुछ वर्षों के दौरान मंदिरों और अन्य हिन्दू धार्मिक कार्यक्रमों में भगदड़ में सैकड़ों जानें गईं। 25 जनवरी, 2००5 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधारदेवी मंदिर में वार्षिक तीर्थयात्रा में 34० से अधिक श्रद्धालुओं की कुचल कर मौत हो गई, सैकड़ों घायल हुए। नारियल तोडने से सीढि?ों में फिसलन से यह भगदड़ हुई। 3 अगस्त, 2००8 को हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के नैना देवी मंदिर में भू-स्खलन की अफवाह से मची भगदड़ में 162 जान चली गई, 47 लोग घायल हुए।

3० सितम्बर, 2००8 को राजस्थान के जोधपुर में चामुंडा देवी मंदिर में बम विस्फोट की अफवाह से मची भगदड़ में 25० लोगों की मौत हुई और 6० से ज्यादा घायल हुए। 4 मार्च, 2०1० को उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में मची भगदड़ में 63 लोगों की मौत हुई जो वहां कपड़ा और भोजन लेने आए थे।13 अक्टूबर, 2०13 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान भगदड़ में 115 लोगों की मौत हुई और 1०० से अधिक घायल हुए।

ऐसे और न जाने कितने हादसों ने सैकड़ों जान ली हैं। दुर्भाग्यवश कभी भगदड़ में फंस जाएं तो थोड़ी सतर्कता बरत कर खुद को बचाया जा सकता है। अपनी ताकत बेवजह भीड़ के खिलाफ दूसरों को धकेलने में न लगाएं। चीखने-चिल्लाने या शोर मचा कर भी ताकत जाया न करें। कोशिश करें कि पैर फैला कर रखें ताकि धक्का लगने पर संतुलन बना रहे। धैर्यपूर्वक गहरी सांसें लेकर शांत रहें। बजाय विपरीत दिशा में जाने के हमेशा भीड़ के साथ चलें जिससे बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

हाथों को अपनी छाती के सामने किसी बॉक्सर की तरह अड़ा रखें ताकि सीना सुरक्षित रहे जिससे आप खुद को सुरक्षित रख सकेंगे। भीड़ में गिरने पर उठ नही पा रहे हों तो तिरछे हो जाएं, दोनों पैरों को सीने से चिपकाएं, सिर पर हाथ रख कर खुद को बचाने की कोशिश करें ताकि सीना, पसली और सिर बचा रहे। दीवारों और बैरिकेडिंग से भी दूर रहें। ज्यादा से ज्यादा कोशिश करें कि खुली जगह में जल्द से जल्द पहुंच जाएं।

यह कहना कि एकाएक भीड़ आ गई गलत है। आजकल धार्मिक स्थलों के पूरे क्षेत्र, गलियारों, चौक, चौराहों में स्थानीय प्रशासन, पुलिस या निजी सुरक्षा के लिए लगे सीसीटीवी कैमरों के अलावा सैटेलाइट से भी भीड़भाड़ की जानकारी लेना संभव है। हर पल पता होता है कि कहां से कितनी भीड़ आ रही है। यही प्रबंधन तो करना है ठीक वैसे, जैसे ट्रैफिक का करते हैं। इसके लिए जगह-जगह प्रतीक्षालय बनें, उनमें जलपान, प्रसाधन और आराम तथा छायादार सुविधा हों।

बड़े-बड़े स्क्रीन हों जिन पर गंतव्य का लाइव प्रसारण होता रहे ताकि श्रद्धालु खुद मानसिक रूप से आगे जाने से पहले भीड़ के अनुरूप तैयार हों या कुछ पल सुकून से और प्रतीक्षा कर लें। प्राय- भीड़भाड़ वाले धार्मिक स्थल आर्थिक रूप से संपन्न होते हैं। हादसों से सीख कर ऐसे तमाम धार्मिक स्थलों के प्रबंधक और स्थानीय तंत्र भी खुद को बदलें। इच्छाशक्ति, वैज्ञानिक पद्धतियों और क्राउड मैनेजमेंट से स्थिति काफी हद तक बदल सकती है ताकि भीड़, भगदड़ से होने वाली मौतों पर काबू पाया जा सके।

सू- दोकू क्र.122

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.121का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

बनारसी मिर्च का अचार

लाल मिर्च का बनारसी अचार खाने में बड़ा ही टेस्टी लगता है और सभी अचारों में सबसे अच्छा होता है। आइये देखते हैं इसको बनाने की विधि। तैयारी में समय- 45 मिनट बनाने में समय- 15 मिनट सामग्री- 12-15 बड़ी ताजी लाल मिर्चें 1 कप सरसों का तेल , चम्मच हींग, राई पावडर द कप मेथी दाना पावडर 2 चम्मच सौंफ द कप नमक द कप अमचूर पावडर 1ड्ड चम्मच हल्दी पावडर विधि - लाल मिर्च की डंडी को निकाल लें। मिर्च में बीच से चीरा लगा कर उसके बीज को भी निकाल दें। अब मसाला तैयार करेंगे। सबसे पहले सरसों के तेल को धूआं आने तक गरम कर लें। फिर इसे मसाले में डालने के लिये किनारे रख दें। फिर एक कटोरे में हींग, राई पावडर मेथी पावडर, सौंफ, नमक, अमचूर, हल्दी मिलाएं। आखिर में मसाले में ठंडा हो चुका 2 चम्मच सरसों का तेल मिलाएं। अब इस तैयार मसाले को मिर्च के अदंर भर दें। जब सभी मिर्चों में मसाले भर जाएं, तब उन्हें एक एक कर के सरसों के तेल में डुबो कर कांच के एक जार में भरें। फिर जार के अंदर बचा हुआ सरसों का तेल डालें और बंद कर के सूरज की धूप में कम से कम 1 हफ्ता रखें। आपका लाल मिर्च का चटपटा अचार सर्व करने के लिये तैयार है।

मुद्दा: महिलाओं में जागरुकता

कमलेश जैन

पिछले 3०-35 वर्षो में जैसे-जैसे स्त्रियों में जागरूकता आई है, नये कानूनों के प्रति वैसे-वैसे उनके अंदर सदियों से दबे-कुचले होने, दोयम दर्जे की नागरिक होने का अहसास गहराया है।

पहले वे इसे अपनी नियति मानती थीं, पर अब अधिकार। यह अधिकार खासकर शहरी, शिक्षित स्त्रियों ने समझा है। वे इस अधिकार को अब छीन कर, दूसरे पक्ष को कुचल कर, नेस्तनाबूद करना चाहती हैं। एक हिंसक प्रवृत्ति उनमें जाग गई है। यह घातक है समाज-देश के प्रति। वे जगें अच्छा है, अपना अधिकार भी पाएं पर दूसरे पक्ष को नष्ट करके यह अच्छा नहीं है। इसमें वे खुद भी कहीं की नहीं रहतीं। उनका भी परिवार नष्ट होता है। बच्चे तितर-बितर हो जाते हैं।

एक और बात भी है। वे ऐसा इसलिए करती हैं कि अकेली भी रहें तो तगड़ी एलिमनी या मेंटेंनेंस लेकर, बिना काम किए अच्छा जीवन गुजार सकें। इस पूरे काम में उनके माता-पिता, भाई-बहन भी शामिल हो जाते हैं। वे उन्हें लडने-झगडने, अलग होने, बच्चा लेकर मायके बैठ जाने को प्रेरित करते हैं। ऐसे में उन्हें सास-ससुर, देवर-ननद के लिए कुछ भी करना शुरू से बोझ लगता है। ससुराल जाते ही उनकी रट लग जाती है अलग रहो, मां-बाप को छोड़ो, मेरे घर के पास रहो या वहीं रहो। मेरे मां-बाप की वैसी सेवा करो जैसे अपने मां-बाप की करते हो। वे भी तुम्हारे मां-बाप ही हैं आदि-आदि। आज असंतुष्ट जोड़े लाखों में हैं।

शुरू-शुरू में लड?ी ससुराल वालों पर दहेज का, भरण-पोषण के अधिकार का, घरेलू हिंसा का, तलाक का अलग-अलग मुकदमा, चार अलग-अलग राज्यों में करती तो विभिन्न तारीखों पर पति हमेशा इस राज्य से उस राज्य, नौकरी छोड़ भागते रहने को मजबूर हो जाता। माता-पिता को दुखी देखते, 498ए आईपीसी में पूरे परिवार को, नाते-रिश्तेदारों को जेल जाते देख हताशा में वह आत्महत्या भी कर लेता था। पति बचाओ आंदोलन दूर-दूर तक फैलने लगे। वे खुले में अपना ऑफिस भी नहीं चला पाते थे। यह उनके लिए शर्म भरी बात थी कि पत्नी से पीड़ित हैं। ऐसे वकील भी शर्माते थे, यहां तक कि न्यायालय पूरी तरह से वधुओं के पक्षधर लगते थे।

धीरे-धीरे अदालतों की भी आंखें खुलने लगी हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने कई मामलों में देखा है कि स्त्रियों ने एक ही केस के 4-5 टुकड़े कर देश के 4-5 भागों में जाकर एक-एक केस करना शुरू किया है। पति चारों तरफ भागता हुआ, अपनी नौकरी, मानसिक शांति खोकर, परिवार को दुखी कर, हताश हो, 15-2० वर्षो में लुटा-पिटा सारी शर्तें मान नष्ट हो जाता है। अब सर्वोच्च न्यायालय कहता है छह वर्ष होते-होते सर्वोच्च न्यायालय आओ और एलिमनी तलाक यहीं पाकर सारे झंझटों से मुक्ति पाओ। पर हैरानी की बात है कि वह ऐसा नहीं कह रहा कि एक ही मुकदमे में सारी बातें एक जगह कह कर सारे झगड़ों से मुक्त हो जाओ।

हाल का सर्वे कहता है-पिछले तीन सालों में देश भर में कार्यरत परिवार अदालतों में सवा तीन लाख से अधिक मुकदमे हुए हैं। यह खुलासा केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के आंकड़ों से हुआ है। इसकी वजह पति-पत्नी के बीच अहं (इगो) बताया जाता है। हम इसी बात से संतोष किए जा रहे हैं कि विवाद बढ़े तो पर सबसे कम तलाक भारत में होते हैं। देश भर में 812 परिवार अदालत कार्यरत हैं जहां 11 लाख से अधिक मामले लंबित हैं। परिवार मामलों में विभिन्न तरीकों के केस का अर्थ है-घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीडन, तलाक, बच्चों की कस्टडी, दांपत्य अधिकारों की पुनर्स्थापना, किसी भी व्यक्ति की वैवाहिक स्थिति की घोषणा, वैवाहिक संपत्ति का मामला, गुजारा भत्ता, पति-पत्नी में विवाद पर बच्चों से मिलने का अधिकार, बच्चों का संरक्षक होने का मामला आदि।

बीते तीन वर्षो में दाखिल घरेलू विवाद हैं-2०21 में 4,97,447; 2०22 में 7,27,587; 2०23 में 8,25,5०2। बीते तीन वर्षो में निपटाए गए विवाद-2०21 में 5,31,5०6; 2०22 में 7,44,7०० और 2०23 में 8,27,०००। ऐसा होने का मुख्य कारण है लड़कियों का ऐसे घर में विवाह करना जहां इकलौता लड?ा हो, अमीर हो, अच्छी जॉब में हो, माता-पिता वृद्ध हों। ऐसे घर में विवाह करने के बाद लड?ी के माता-पिता लड?ी को ट्रेनिंग देते हैं- छोटी-छोटी बात पर किच-किच करो, अलग होने की जिद करो, चार-पांच केस करो, जहां जाओ वहां एक केस अलग-अलग राज्य में, हो सके तो एक बच्चा पैदा करो, प्रेग्नेंट होते ही मायके चली आओ, आते ही बच्चे और अपना मासिक भत्ता मांगो, हम साथ हैं। जो लड?ी बचपन से मायके में है, उसे वहां का परिवेश जाना-पहचाना लगता है, मोटे माल, संपत्ति की आशा में अब उसे वीआईपी ट्रीटमेंट दिया जाता है मायके में। पर वह लड?ी अपना भविष्य, अपने बच्चे का भविष्य नहीं सोचती। आसान जिंदगी की आशा में एक वीरान जिंदगी उसका आसरा देखती होती है। ऐसे में लड़कियां सोचें, सावधानी से आगे बढ़ें, केस करना है तो आपसी सहमति से तलाक लें, और जल्द अलग हो जाएं।

50 पेटी शराब सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। शराब तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से 50 पेटी देशी व अंग्रेजी शराब व तस्करी में प्रयुक्त कार भी बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना श्यामपुर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ शराब तस्कर भारी मात्रा में अवैध शराब सहित आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को खासन पुल के नीचे से एक संदिग्ध कार आती हुई दिखायी दी। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो कार चालक कार मोड़ कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान कार से 45 पेटी देसी व 5 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गयी। पूछताछ में चालक ने अपना नाम रामकुमार पुत्र संतराम निवासी पंडितवाडी कोतवाली लक्सर हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी हैं।

विदेश भेजने के नाम पर ठगे 60 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। विदेश भेजने के नाम पर 60 हजार रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला निवासी राजेश सिंह चौहान ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 18 दिसम्बर को उसने हरीश मंजूर मगरे निवासी- रेजीडेन्सी रोड श्रीनगर जम्मू कश्मीर से बहरीन जाने के लिये सम्पर्क किया तो उपरोक्त व्यक्ति द्वारा उसको आश्वस्त किया कि उसने पहले भी कई लोगों को बहरीन भेजा है तथा बाहर भेजने का काम उसका पुराना है। उसके कहे अनुसार उसने बहरीन जाने के लिये 21 जनवरी 2024 को 10 हजार रूपये ऑफर लेटर के लिये 20 हजार रूपये, टिकट के लिये 20 हजार रूपये इमिग्रेशन आदि के लिये फाईनल पेमेन्ट इस प्रकार कुल मु० 60 हजार रूपये उसने हरीश मंजूर मगरे को विदेश जाने हेतु दिये। उसको इमिग्रेशन डिपार्टमेन्ट बहरीन में पकड़ा गया। बहरीन में इमिग्रेशन डिपार्टमेन्ट के अधिकारियो/कर्मचारियों द्वारा उसको बताया गया कि उसकी होटल की बुकिंग व रिटर्न टिकट एयर लाईस की फेक है तब जाकर उसको मालूम हुआ कि उक्त व्यक्ति द्वारा उसके साथ धोखघड़ी की गयी।

सीएम बोले मोदी को फिर पीएम बनाना..

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

उन्होंने लोगों से अपील की है कि भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने व विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक बार फिर मोदी की सरकार बनाने में सहयोग करें।

इस मौके पर गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान,जिलाध्यक्ष सतेंद्र राणा, पुरोला के प्रभारी लोकेंद्र सिंह बिष्ट, यमुनोत्री के प्रभारी सत्य सिंह राणा, गंगोत्री के प्रभारी जगत सिंह चौहान, लोकसभा के संयोजक रमेश चौहान, सुधा गुप्ता, रामसुंदर नौटियाल, सूरत राम नौटियाल आदि उपस्थित रहे।

त्रिवेंद्र के साथ नहीं दिख रहे निशंक समर्थक

हरिद्वार। भाजपा के तमाम नेता पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत के चुनाव प्रचार अभियान में जुटे दिख रहे हैं। मदन कौशिक और उनके समर्थक खूब पसीना बहा रहे हैं, संसदीय कार्य मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल और उनके समर्थक भी जनसंपर्क अभियान में जुटे हैं लेकिन डा. निशंक व उनके समर्थक अभी तक नदारद है। इस मुद्दे पर जब मदन कौशिक से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है। वह कहीं और काम कर रहे होंगे। उन्होंने कहा भाजपा के सभी नेता और कार्यकर्ता पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ भाजपा के लिए काम कर रहे हैं।

हरीश के करीबी दर्जन भर कांग्रेसी...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

रहकर कांग्रेस की सेवा कर रहे हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने इन सभी कार्यकर्ताओं को ज्योति आश्रम में भाजपा की प्राथमिक सदस्यता देकर पार्टी में शामिल किया गया और उनका स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि जो भी स्वेच्छा से भाजपा में आने वाले लोग हैं भाजपा में उनका स्वागत है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं में वीरेंद्र रावत को टिकट दिए जाने को लेकर पहले से ही भारी आक्रोश था लेकिन वह खुलकर कुछ नहीं कह रहे थे अब यह नाराजगी खुलकर सामने आ रही है।

राहुल की हरिद्वार रैली स्थगित

देहरादून। प्रधानमंत्री की रैली के बाद 8 अप्रैल को हरिद्वार में राहुल गांधी की एक रैली प्रस्तावित थी। जिसका कार्यक्रम भी कांग्रेस संगठन के पास आ गया था लेकिन अब यह रैली किन्ही कारणों से फिलहाल स्थगित कर दी गई है। इसकी जानकारी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष द्वारा खुद आज दी गई और कहा गया कि जल्द ही राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के चुनावी कार्यक्रम तय होंगे और वह उत्तराखंड आएंगे। अभी उनकी रैली की कोई तारीख तय नहीं हुई है।

आग लगने से लीसा फैक्ट्री स्वाह, मची अफरा-तफरी

हमारे संवाददाता

नैनीताल। रामपुर रोड पर बेलबाबा के पास लीसा फैक्ट्री में अचानक आग लगने से अफरा तफरी फैल गयी। आग लगने के कारण देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री आग का गोला बन गई। हल्द्वानी की दमकल टीम के पास आग बुझाने के वाहन कम पड़ गए। इसलिए रुद्रपुर से दो और रामनगर एक अतिरिक्त दमकल वाहन बुलाए गए। जिसके बाद देर रात तक आग पर काबू पाया जा सका।

जानकारी के अनुसार बेलबाबा मंदिर के पास उमेश चंद्र डालाकोटी की डालाकोटी पेंट्स एंड केमिकल नाम से लीसा फैक्ट्री है। शाम पौने छह बजे कर्मचारियों ने फैक्ट्री से धुआं उठता देखा। शुरुआत में कर्मचारियों ने खुद ही आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

सफलता नहीं मिली तो इसकी सूचना दमकल विभाग को दी गयी। इस पर हल्द्वानी से दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग की लपटें थमने का नाम नहीं ले रही थी। आग बढ़ने पर दमकल अधिकारियों ने रुद्रपुर और रामनगर से दमकल वाहन बुलाए। तब जाकर देर रात आग पर काबू पाया जा सका। मगर तब तक पूरी फैक्ट्री जलकर राख हो चुकी थी। इधर, आग की सूचना मिलने पर सीएफओ गौरव किरार, सिटी मजिस्ट्रेट एपी वाजपेई, एसडीएम पारितोष वर्मा, एसपी क्राइम हरबंस सिंह और कोतवाल उमेश मलिक, एफएसओ मिन्दर पाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। आग बुझाने के बाद पुलिस व प्रशासन की टीम वापस लौटी। एसडीएम पारितोष वर्मा ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। इसकी जांच कराई जाएगी। आग से हुए नुकसान का दमकल टीम बुधवार से आंकलन करेगी। इसके बाद रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजी जाएगी।

बताया जा रहा है कि आग पर तीन घंटे बाद पूरी तरह से काबू पाया गया। इस दौरान दमकल की 18 गाड़ियों ने पानी की बोछार की। 200 लीटर फोम का प्रयोग किया गया। 12 बार दमकल के वाहन पास के स्टोन क्रशर में दोबारा पानी भरने गए।

पुलिस ने किया 17 लाख रुपये का सोना बरामद

संवाददाता

बागेश्वर। पुलिस ने 17 लाख रूपये कीमत का सोना बरामद किया।

आज यहां अक्षय प्रहलाद कोण्डे, पुलिस अधीक्षक बागेश्वर के कुशल निर्देशन/नेतृत्व में व पुलिस उपाधीक्षक बागेश्वर अंकित कंडारी के पर्यवेक्षण में जनपद पुलिस आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को निष्पक्ष, सकुशल, पारदर्शी एवं शांतिपूर्वक सम्पन्न कराये जाने हेतु पूरी सतर्कता के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन कर रही है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के साथ ही जनपद के समस्त थाना स्तर पर गठित पुलिस/एसएसटी/एफएसटी टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों/बैरियरों/जनपद की सीमा में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों एवं वाहनों की सतर्कता एंव गहनता से सघन चौकिंग की जा रही है।

थानाध्यक्ष बैजनाथ प्रताप सिंह नगरकोटी के नेतृत्व में थाना बैजनाथ पुलिस टीम द्वारा गरुड़ स्थित पंचास तिराहे पर वाहनों/संदिग्ध व्यक्तियों/ संदिग्ध वस्तुओं की चैकिंग की जा रही थी। इसी बीच एक व्यक्ति जो पीठ पर बैग लगाए हुए पैदल पैदल गरुड़ बाजार की ओर आ रहा था। आचार संहिता व संदिग्धता के मद्देनजर पूछताछ/चैक किया गया तो उसके पास से 231.66 ग्राम के सोना जेवरात बरामद हुआ जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 17 लाख रुपये है। उक्त व्यक्ति से बरामद सोना जेवरात के सम्बन्ध में पूछताछ करने पर उसके द्वारा कोई संतोषजनक प्रमाण नहीं दिया गया, जिस पर पुलिस द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत आदर्श आचार संहिता नियम से अवगत कराते हुए बरामद सोना जेवरात को नियमानुसार कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही की गई।

घर के बाहर खडी एक्टिवा में लगायी आग, केस दर्ज

संवाददाता

देहरादून। घर के बाहर खडी एक्टिवा पर आग लगाकर अज्ञात युवक फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कांवली रोड निवासी श्रुतिका मित्तल ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि एक अप्रैल को उसके एक्टिवा जो की उसके पिता के नाम है वह रात को घर के बाहर खडी थी एक व्यक्ति द्वारा आग लगाकर भागने लगा तभी उनके द्वारा बाहर आके देखा गया तो एक लडका भाग रहा था जो उनके सामने से गुजरा जिसको मौहल्ले वालो ने देख कर बताया कि यह वही लडका है जिसने उनके एक्टिवा मे आग लगाई है। यह लडका आसपास घुमता रहता है जिसको सामने आने पर पहचान सकती है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

चकराता रोड में फुटपाथ पर अनाधिकृत वाहनों ने किया कब्जा

संवाददाता

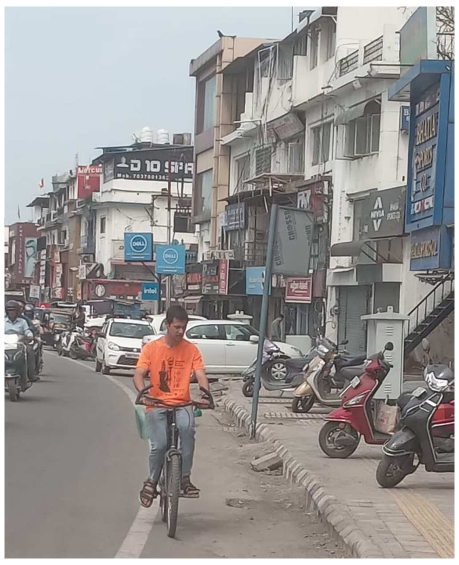

देहरादून। कुटुंब परिवार के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह ललकार ने कहा कि चकराता रोड के फुटपाथ पर अनाधिकृत रूप से वाहनों ने कब्जा किया हुआ है जिससे पैदल चलने वालों को परेशानी का सामना करना पडता है। आज यहां कुटुंब परिवार संगठन के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह ललकार ने कहा कि शासन प्रसाशन ने पैदल चलने वालो के लिये फुटपाथ का निर्माण कराया था परन्तु पैदल चलने वालो के फुटपाथ पर चकराता रोड में वाहन चालक सड़क के दाये व बाये तरफ आपने वाहन पार्क कर रहे और पैदल चलने वाले भला परेशान हो पर अब शासन प्रशासन इस को अनदेखा कर रहा है। वही कृष्णा पैलेस की गलियों में अनाधिकृत रूप से वाहन खड़े किये जा रहे है और तो और एम्बुलेंस आदि जरुरी सेवा के वाहन इस कारण नहीं आ पाते है जिससे बीमार व्यक्तिओं को असुविधा होती है। उन्होंने कहा की शासन प्रसासन को इसका सज्ञान लेकर अनाधिकृत रूप से फुटपाथ पर काबिज वाहनों व अनाधिकृत रूप से काबिज स्टॉलो को हटा देना चाहिए। वहीँ कुछ ऑटो चालको द्वारा कृष्णा पैलेस के बराबर वाली गली में आपने ऑटो खड़े कर दिये है जिससे आने जाने वाले परेशान हो जाते है। इस अवसर पर राहुल सोनकर, अमित वर्मा, राकेश शर्मा, राकेश कुमार भट्ट, अरविन्द मल्होत्रा, चन्दर मोहन अरोड़ा आदि उपस्थित थे।

एक नजर

राहुल गांधी ने वायनाड लोकसभा सीट से भरा नामांकन, प्रियंका रहीं साथ

वायनाड। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को केरल के वायनाड लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल कर दिया। इस दौरान उनकी बहन प्रियंका गांधी भी उनके साथ मौजूद थीं। नामांकन दाखिल करने से पहले राहुल गांधी ने केरल के वायनाड में रोड शो किया। उनके रोड शो में जबरदस्त भीड़ उमड़ी थी। इस दौरान प्रियंका गांधी भी उनके साथ थीं। इस दौरान राहुल ने कहा कि मैं 5 साल पहले वायनाड आया था और तब मैं यहां के लिए नया था। मुझे उम्मीद है कि आप मुझे अपने परिवार का हिस्सा बनाएंगे। यह सिर्फ एक राजनीतिक बयान नहीं है। कांग्रेस सांसद ने कहा आपका सांसद सदस्य होना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं आपके साथ एक मतदाता की तरह व्यवहार नहीं करता और न ही आपके बारे में सोचता हूं। मैं आपके साथ वैसा ही व्यवहार करता हूं और आपके बारे में सोचता हूं जैसे मैं अपनी छोटी बहन प्रियंका के बारे में सोचता हूं। वायनाड के घरों में मेरी बहनें, मां, पिता और भाई हैं और इसके लिए मैं आपका तहे दिल से धन्यवाद देता हूं। रोड शो के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी अपने भाई के साथ थीं। प्रियंका ने कहा, आज भाई राहुल गांधी जी के चुनाव नामांकन के लिए उनके साथ वायनाड, केरल में हूं। कुछ महीने पहले भाजपा सरकार ने राहुल गांधी जी की संसद सदस्यता छीनकर जनता की आवाज दबाने की कोशिश की थी, लेकिन संविधान की ताकत ने उन्हें कामयाब नहीं होने दिया।

पुलिस और गैंगस्टर्स के बीच मुठभेड़ में एक बदमाश ढेर, पीएसआई शहीद

जम्मू। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में पुलिस और गैंगस्टर्स के बीच मुठभेड़ में एक बदमाश की गोली लगने से मौत हो गई। जबकि दोनों ओर गोलीबारी के बीच एक पीएसआई भी शहीद हो गए। कठुआ पुलिस की ओर से मंगलवार (02 मार्च) को जारी एक बयान में कहा गया है कि मंगलवार रात करीब 10.35 बजे सर्च अभियान के दौरान जम्मू पुलिस पर गैंगस्टर्स ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने अपने बचाव में भी गोली चलाई। दोनों ओर से गोलीबारी में एक गैंगस्टर की मौत हो गई, जबकि एक पीएसआई घायल हो गए। ताजा अपडेट के अनुसार पीएसआई की मौत हो गई है। घटना को लेकर कठुआ पुलिस ने कहा, पुलिस की बदमाशो से भिड़त में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया है और गैंगस्टर के ढेर होने की खबर है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात करीब 10.35 बजे कठुआ के सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) परिसर में पुलिस और गैंगस्टरों के बीच फायरिंग हुई। इसमें एक पीएसआई दीपक शर्मा घायल हो गया और 1 गैंगस्टर की गोलीबारी में मौत हो गई। घायल पीएसआई को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पीएसआई की इलाज के दौरान मौत हो गई।

कांग्रेस का हाथ छोड़ बीजेपी में शामिल हो सकते हैं बॉक्सर विजेंद्र सिंह

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव की सरगमीं तेज हो चुकी है। एक तरफ जहां चुनाव प्रचार का समय है वहीं कांग्रेस को लगातार झटका लग रहा है। कांग्रेस को एक झटका और लगने जा रहा है। सूत्रों के अनुसार बॉक्सर विजेंद्र सिंह बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। उनके भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय में बीजेपी में शामिल होने की उम्मीद है। बॉक्सर विजेंद्र सिंह ने एक्स पर एक लाइन का पोस्ट किया था, जिसके बाद लोकसभा चुनाव से पहले कई तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं। उन्होंने लिखा, 'जनता जहां चाहे, मैं तैयार हूं।' बता दें कि 2019 में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए विजेंद्र को अपने पहले चुनाव में ही हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद भी वह पार्टी से जुड़े रहे, लेकिन दिसंबर 2023 में उन्होंने सोशल मीडिया पर राजनीति से संन्यास की बात कही थी। हालांकि अटकलें लगाई जा रही है कि वह वापसी कर सकते हैं। मालूम हो कि विजेंद्र का राजनीतिक करियर बेहद छोटा रहा है। साल 2019 में कांग्रेस में शामिल होकर उन्होंने साउथ दिल्ली सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन रमेश विधूड़ी के खिलाफ हार गए थे। इसके बाद राजनीति में उनकी सक्रियता कम हो गई और दिसंबर 2023 में उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- राजनीति को राम-राम। इसके बाद कयास लगाए गए कि विजेंद्र राजनीति से दूरी बना चुके हैं।

चोरी के 20 लाख की ज्वैलरी व नगदी के साथ चपरासी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। शुगर मिल नादेही परिसर स्थित सरकारी आवास में हुई चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को 20 लाख की ज्वैलरी व नगदी के साथ गिरफ्तार कर लिया है आरोपी शुगर मिल परिसर में ही चपरासी के पद पर कार्यरत बताया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी ने बताया कि बीते रोज एक व्यक्ति द्वारा कोतवाली जसपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि 1 अप्रैल की रात उनके शुगर मिल नादेही परिसर स्थित सरकारी आवास के बाथरुम के रोशनदान की जाली काटकर व घर में घुसकर अज्ञात चोर उनके घर से नगदी व जेवरात चुरा ले गया है। जिस सम्बन्ध में कोतवाली जसपुर में मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद देर रात पीड़ित के आवास पर विगत 2 वर्षो से चपरासी का कार्य करने वाले रोहित कुमार पुत्र छोटे सिंह निवासी ग्राम नादेही को पकडकर सख्ती से पूछताछ की गयी तो रोहित कुमार द्वारा अपना जुर्म कबूल करते हुए अपने निशानदेही पर नादेही स्थित अपने घर में रखी रजाई के अन्दर से मुकदमें से सम्बन्धित चोरी का समस्त माल बरामद कराया गया।

बरामद किये गये माल में तीन लाख पचास हजार की नगदी व 22.5 तोला सोना (कुल कीमत लगभग 20 लाख रुपये) बताया जा रहा है।

उत्तराखंड का जवान मणिपुर में शहीद

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। मणिपुर में तैनात अल्मोड़ा जिले के सोमेश्वर निवासी एक जवान के शहीद होने से परिवारजनों में कोहराम मचा हुआ है। जवान के सिर पर गोली लगने के बाद वह शहीद हो गये। बताया जा रहा है कि आज उनका पार्थिक शरीर उनके घर सोमेश्वर पहुंचेगा।

जानकारी के अनुसार अल्मोड़ा जिले के सोमेश्वर तहसील के चनौदा, बूंगा निवासी कमल सिंह भाकुनी (24) ड्यूटी के दौरान शहीद हो गये। उन्हे संदिग्ध हालात में गोली लगी। कमल 16 कुमाऊं रेजीमेंट के जवान थे, जो वर्तमान में मणिपुर में तैनात थे। बताया जा रहा है कि 25 दिन पहले ही वह अवकाश के बाद ड्यूटी पर लौटे थे। कमल चार साल पहले भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। बेटे की शहादत की खबर सुन माता-पिता बेसुध हो गये। बताया जा रहा है कि शहीद कमल के पिता चंदन सिंह भाकुनी गांव में ही खेती-बाड़ी करते हैं, जबकि माता दीपा भाकुनी गृहणी हैं। उनका बड़ा भाई प्रदीप भाकुनी भी भारतीय सेना में है। शहीद का पार्थिव शरीर आज सोमेश्वर लाया जायेगा। गोली कैसे लगी, इसकी स्पष्ट जानकारी किसी को नहीं है। जवान के शहीद होने की खबर से पूरे गांव में शोक की लहर है।

गुलदार की खाल सहित दो वन्यजीव तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। वन्यजीव तस्करी मामले में बड़ी कार्यवाही करते हुए एसओजी व पुलिस की सयुंक्त टीम द्वारा दो वन्यजीव तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से एक गुलदार की खाल भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एसओजी व थाना थराली पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ तस्कर वन्यजीव अंगों की तस्करी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसओजी व थाना थराली पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में संयुक्त चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान देर रात मींग गधेरे के पास दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। टीम द्वारा जब उन्हे रूकने का इशारा किया गया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक गुलदार की खाल बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने अपना नाम विक्रम सिंह उर्फ डब्बू पुत्र नेत्र सिंह निवासी ग्राम वासिना तहसील थराली व दिनेश सिंह पुत्र मेहरवान सिंह निवासी ग्राम कंसोला थाना थराली बताया। पुलिस टीम द्वारा खाल की पहचान करने हेतु वन विभाग की टीम को मौके पर बुलाया गया जिसमें वन दरोगा बलवंत सिंह द्वारा जंगली जानवर की खाल की जांच कर गुलदार (लैपर्ड) की खाल होना बताया गया।

गिरफ्तार आरोपियों द्वारा पूछताछ में बताया गया कि गुलदार लगभग एक से दो वर्ष पूर्व जंगल में मरा हुआ मिला था। जिसकी हड्डियों को जंगल में ही मिट्टी में दबा दिया था और खाल को अपनी छानी में सुखाकर वह बेचने के लिए ले जा रहे थे। बहरहाल पुलिस ने उन्हे सम्बन्धित धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायालय मे पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है। बरामद गुलदार की खाल की अनुमानित कीमत चार लाख रूपये बतायी जा रही है।

वर्क फॉर होम के नाम पर ठगे पौने तीन लाख रुपये

देहरादून (सं)। वर्क फॉर होम के नाम पर पौने तीन लाख रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्द्रानगर कालोनी सीमाद्वार निवासी आशा रानी ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके व्हटसएप नम्बर पर मैसेज वर्क फॉर होम आया। जिसमे उन्होंने पहले कुछ वेबसाइट भेजी और बोला की इन बेबसाइट के स्क्रीनशॉट उनको भेजे और वह उसके बदले मे 50 रूपये प्रति स्क्रीनशॉट उसको देंगे। इसी तरह उसको अलग-अलग टास्क देकर उससे दो लाख 78 हजार 325 रूपये ठग लिये हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।